भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
21.03.2013 को राज्य सभा में
पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या : 349

देश में यूरेनियम के भंडार

*349. श्री महेन्द्र सिंह माहरा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में यूरेनियम के भण्डार कहाँ-कहाँ हैं;

(ख) क्या मौजूदा भण्डार देश में परमाणु बिजलीघर संचालित करने के लिए पर्याप्त है;

(ग) यदि नहीं, तो सरकार का किन-किन देशों से यूरेनियम आयात करने का विचार है;

(घ) देश में अन्य किन-किन स्थानों पर परमाणु बिजलीघर स्थापित किये जाने का विचार है; और

(ङ) जापान के परमाणु बिजलीघरों में आ रही समस्याओं को देखते हुए देश की जनता की आशंकाओं के निराकरण हेतु उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय
(श्री वी. नारायणसामी)

(क) से (ङ) तक सदन के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है।

* * * * * * *

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

'देश में यूरेनियम के भंडार' के बारे में दिनांक 21.03.2013 को श्री महेन्द्र सिंह माहरा द्वारा राज्य सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 349 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग का एक संघटक यूनिट है, ने अब तक देश में 1,86,653 टन स्वस्थाने यूरेनियम (U_3O_8) स्रोतों का पता लगाया है। पता लगाए गए निक्षेपों का राज्य-वार ब्यौरा नीचे दिए अनुसार है :

राज्य	यूरेनियम स्रोत (मीटरी टन U_3O_8)
आंध्र प्रदेश	93,492
झारखण्ड	54,768
मेघालय	20,457
राजस्थान	7,244
कर्नाटक	4,682
छत्तीसगढ़	3,986
उत्तर प्रदेश	785
उत्तराखण्ड	100
हिमाचल प्रदेश	784
महाराष्ट्र	355
कुल	1,86,653

[1 मीटरी टन U_3O_8 = 0.848 मीटरी टन यूरेनियम धातु]

(ख) देश में यूरेनियम के वर्तमान में ज्ञात भंडार, देश में परमाणु बिजलीघरों के प्रचालन के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

(ग) वर्तमान में सरकार, दीर्घावधि करारों के अन्तर्गत, रूस और कज़ाकिस्तान से यूरेनियम का आयात कर रही है।

(घ) वर्तमान में सात रिएक्टर निर्माणाधीन हैं, राजस्थान में रावतभाटा, तमिलनाडु में कलपाक्कम और कुडनकुलम, और गुजरात में ककरापार में। इसके अतिरिक्त, सरकार ने, कुडनकुलम और कैगा स्थित मौजूदा स्थलों पर अतिरिक्त यूनिट अवस्थित करने के अलावा, महाराष्ट्र में जैतापुर, आंध्र प्रदेश में कोव्वाडा, गुजरात में छाया-मीठी-विरदी, हरियाणा में गोरखपुर, मध्य प्रदेश में चुटका और भीमपुर, राजस्थान में माही बाँसवाड़ा तथा पश्चिम बंगाल में हरिपुर में नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए स्थलों के संबंध में सिद्धांतत: अनुमोदन दे दिया है।

(ङ) फुकुशिमा घटना के बाद, नाभिकीय विद्युत की सुरक्षा, विकिरण तथा अन्य संबद्ध पहलुओं के बारे में लोगों की आशंकाओं का समाधान, एक बहु-विषयक पद्धति अपनाकर विश्वसनीय तरीके से करने के लिए, परमाणु ऊर्जा विभाग के वर्तमान में चल रहे पब्लिक आउटरीच कार्यक्रमों में वृद्धि की गई है। आउटरीच के क्षेत्र में, साधारण जनता के अलावा, स्थानीय समुदाय, निर्णय-कर्ताओं और लोगों के प्रतिनिधियों, प्रैस तथा मीडिया, विद्यार्थियों और शिक्षकों, मत तैयार करने वालों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। किए गए प्रयासों के अंतर्गत, जन-जागरुकता संबंधी उपयुक्त सामग्रियों का उत्पादन करना और उनका प्रसार सभी लक्ष्य वर्गों के बीच करना शामिल है।

+ + + + + + +